Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2018 = 6.371, www.srjis.com
PEER REVIEWED JOURNAL, NOV-DEC, 2018, VOL- 6/48

शैक्षणिक समायोजकता व जन्म क्रम

कैलाशनाथ गुप्ता, Ph. D.

एसो०.प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष बी०एड्०, एस०जी०पी०जी०कालेज, मालटारी, आज़मगढ़

Abstract

प्रत्येक व्यक्ति की समायोजन क्षमता प्रकृति प्रदत्त होती है जिसकी सहायता से वह अपने को विभिन्न समस्याओं में अपने आपको समाधानकर्ता के रूप में स्थापित करता है। व्यक्ति जिस वातावरण में रहता है उस समूह के व्यक्तियों, दशाओं जीवन मूल्यों एवं सामाजिक संरचनाओं तथा सांस्कृतिक परिवेशो में अपने आपका स्थान बनाना चहता है इस कार्य हेतु उसका अनुकूलित होना अत्यन्त आवश्यक है। इस प्रकार वातावरणीय परिस्थितियों से समायोजन व्यक्ति को आत्मतुष्टि प्रदान करता है जिससे उसे खुशी, प्रसन्नता, तनावमुक्ति प्राप्त होता है। समायोजित व्यक्ति अपने कार्यों को आनन्द पूर्वक पूरा करता हुआ धनात्मक रूप में स्थापित होता है।

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना–

''यह महत्वपूर्ण नही है कि आप किस क्रम में जन्म लेते हैं अपितु यह महत्वपूर्ण है कि आप किन परिस्थितियों में जन्म लेते हैं'' फिर आप परिस्थिति को किस प्रकार से समझने का प्रयास करते हैं। जब भी किसी परिवार में कोई बच्चा जन्मता है या गोद लिया जाता है तो वह परिवार में अपना एक स्थान बनाता है जिसे हम क्रम के नाम से जाते हैं। यह बड़ा, छोटा या इकलौता होना होता है यही स्थान बच्चे का जन्मक्रम होता है। यह बालक के समायोजना में अहम क्रम निर्धारित करता है।

समायोजना की क्षमता व्याक्ति में ईश्वर प्रदत्त होती है। जिसका उद्देश्य जीवन के प्रत्येक पड़ाव में आने वाली समस्याओं का समाधान करना होता है व्यक्ति जिस प्रकार के वातावरण में रहता है उस समूह के व्यक्तिओं, जीवन मूल्यों एवं सामाजिक संरचनाओ तथा सांस्कृतिक परिवेश से स्वीकृत प्राप्त करता है। इस कार्य हेतु उसे अपने आपको समायोजित करना होता है। इस प्रकार वातावरणीय समायोजन व्यक्ति को संतोष प्रदान करता है। समायोजित व्यक्ति अपने कर्तव्यों का निर्वहन खुशी से करता है तथा वह अपने अभिवृत्तियों को सकारात्मक रूप में तैयार करता है।

उद्देश्य –: १- किशोर बालक की शैक्षणिक समायोजकता का अध्ययन

२ - किशोरावस्था के बालक के जन्मक्रम का अध्ययन

३ - किशोरावस्था के बालकों की समायोजकता पर जन्मक्रम के प्रभाव का अध्ययन।

शोध पद्धति –: प्रस्तुत अध्ययन हेंतु शोधार्थी द्वारा सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया जायेगा।

परिकल्पना –: शोधार्थी ने निम्नलिखित शून्य परिकल्पनाये निर्मित की गयी है।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

१- विभिन्न पूर्व व उत्तर किशोरावस्था के बालको की शैक्षणिक समायोजन क्षमता में सार्थक विभिन्नता नही पायी जाती है।

२- विभिन्न पूर्व एवं उत्तर किशोरावस्था में जन्में बालको की शैक्षणिक समायोजन में जन्मक्रम में सार्थक विभिन्नता नही पायी जाती है।

३- विभिन्न पूर्व एवं उत्तर किशोरावस्था के बालको की शैक्षणिक समायोजन क्षमता उसके जन्मक्रम से सार्थक रूप में प्रभावित नहीं होगी।

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने प्रसम्भाव्यता प्रतिचयन के द्वारा देव निर्दशन विधि का प्रयोग कर न्याय दर्श का चयन किया है। शोधार्थी ने इस कार्य हेतु उ०प्र० के बलरामपुर जनपद के ललिया क्षेत्र को अध्ययन के लिये चयनित किया जिसकी जनसंख्या २५२२८८ (२०११ की जनगणना के अनुसार) है। जिसमें १३-१६ वर्ष के ६०२०० तथा १७-२१ वर्ष के ४२३०० के किशोर है। इनमें से ३ महाविद्यालयों से ३०० किशोर एवं किशोरियों को जनसंख्या के न्याय दर्श के रूप में लिया गया इसकी संख्या का निर्धारण महाविद्यालय में उपस्थित छात्रों की संख्या के आधार पर किया गया।

तथ्यात्मक संकलन -

प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनो प्रकार के तथ्यों का संकलन शोधार्थी द्वारा किया गया।

उपकरण -

समायोजन मापनी	ए०के०पी० सिंह व आरपी सिंह
जन्मक्रम मापनी	स्वनिमिति

किशोरावस्था में बालको के शैक्षिणक समायोजन क्षमता के मध्य सार्थकता

स्तर के प्रतिशतता की तालिका

समूह	शैक्षणिक समयोजन का स्तर						काई वर्ग का मान 48—56	Df 4	काई वर्ग तलिका 13.277
	उत्कृष्ट	श्रेष्ठ	सामान्य	असंतोष जनक	अतिअसंतोष जनक	योग			
पूर्व किशोरावस्था	04	30	30	45	56	150			
उत्तर किशोरा वस्था	06	35	55	41	13	150			
योग	10	47	85	86	72	300			

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

किशोरावस्था में जन्मक्रम के मध्य सार्थकता के स्तर को प्रर्दशित करने वाली तालिका

समूह	जन्मक्रम का स्तर					काई वर्ग का मान 7.884	Df 3	काई वर्ग तलिका 7.815
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	एकल	योग			
पूर्व किशोरावस्था	15	57	72	06	150			
उत्तर किशोरावस्था	25	65	50	10	150			
योग	40	122	122	16	300			

किशोरावस्था व जन्मक्रम और शैक्षिणक समायोजन के मध्य सह समबन्ध दर्शाने वाली तालिका

समूह	जन्म क्रम प्रकार															
	प्रथम				द्वितीय				तृतीय				एकल			
	संख्या	सह सम्बन्ध	+	-	संख्या	सह सम्बन्ध	+	-	No	Correlation	+	-	No	Correlation	+	-
पूर्व किशोरावस्था	15	.35404	+		57	0.28634	+		72	0.26309	+		06	-0.00658		-
उत्तर किशोरावस्था	25	-0.05312		-	65	0.10636	+		50	0.12175	+		10	.22776	+	
	40				122				122				16			

व्याख्या एवं परिणामः-

प्रथम तालिका में पूर्व एवं उत्तर किशोरावस्था के बालकों के शैक्षणिक समायोजन के मध्य सार्थक विभिन्नता के स्तर को प्रकट करता है, इसका $\pi 2$ ४८.५६ है जो ०.०१ पर अपनी सार्थकता दिखाता है।

द्वितीय तालिका में बालकों के जन्मक्रम के मध्य सार्थक विभिन्नता को दिखाता है जिसका π मान ७.८१५ तथा ०.०१ पर सार्थकता दिखती है। जन्मक्रम तथा शैक्षणिक समायोजन तृतीय तालिका में है जो कि प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा एकल जन्मक्रम वाले बालकों के मध्य जन्मक्रम व शैक्षणिक समायोजन में सहसम्बन्ध दिखाता है। यह सहसम्बन्ध प्रथम जन्मक्रम पूर्वकिशोरावस्था के बालकों में. व उत्तरकिशोरावस्था में (.) है। इस प्रकार तालिका १ व २, ३ में शैक्षणिक समायोजन तथा जन्मक्रम दोनों में सह सम्बन्ध की व्याख्या करते हैं।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

१- विभिन्न किशोर बालकों की शैक्षणिक समायोजकता में सार्थक अन्तर है।

२- जन्मक्रम की सार्थक विभिन्नता पाई जाती है।

३- शैक्षणिक समायोजकता जन्मक्रम पर निर्भर करती है।

Ref.

Growth & Development of Preadolscent, Blair A.W.
Child Development & Adjustment Crow L.D. & Crow L

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies